# भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
# ICAR-Indian Institute of Soybean Research
**खंडवा रोड, इन्दौर 452001**

**Khandwa Road, Indore-452001**


फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2023**  दिनांक **Date: 19.06.2023**

**YouTube channel:** **https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ**
**Facebook Page:** **https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553**
**Twitter: @IisrIcar**  **Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers**

## सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
## (19-25 जून 2023/ 19-25 June 2023)

<table>
<tr><td>1.</td><td colspan="2">अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें.<br>Soybean sowing may be done only after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area.</td></tr>
<tr><td>2.</td><td colspan="2">एक ही किस्म के स्थान पर विभिन्न समयावधि में पकनेवाली अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित 2-3 किस्मों की खेती करें.<br>Preference may be given to growing more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) instead of mono-varietal cultivation.</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>सोयाबीन आधारित अंतरवर्तीय फसल लगाए. असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंर्तवर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंर्तवर्तीय फसलों की काश्त करें जिससे रबी फसल की बौवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों )आम, पपिता, कटहल, अमरुद आदि (के बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।</td><td> </td></tr>
<tr><td>4.</td><td>सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का अंकुरण न्यूनतम 70% सुनिश्चित करें.<br>Ensure the quality of available soybean seed by carrying out Germination Test which should be 70% for a proper plant stand.</td><td>
</td></tr>
<tr><td>5.</td><td colspan="2">कृषकों को सलाह हैं कि सोयाबीन की बोवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बौवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें। न्यूनतम 70% अंकुरण के आधार पर सोयाबीन का बीज दर 65-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें.<br>Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant-to-plant distance at 2-3 cm depth. Depending upon the seed size and 70% germination, the seed rate may be followed as 65-70 kg/ha.</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति ,अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ.पद्धति या रिज एवं फरो पद्धति से करें.<br>It is advised to sow the crop using Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods of sowing in order to save the crop in event of excessive rainfall as well as drought situations.</td><td> <br> </td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| **7.** | सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों ( 25:40:60:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. इसके लिए इनमे से कोई भी एक उर्वरकों के स्त्रोत का चयन किया जा सकता हैं.<br>1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा**<br>2. डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा**<br>3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर<br>Farmers are also advised to apply the of recommended quantity all the nutrients (25:60:40:20 $N:P_2O_5:K_2O:S$ kg/ha) in balanced way, only at the time of sowing. For this, they may broadcast the recommended quantity of all fertilizers just before the sowing followed by sowing operation. The nutritional dose can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur. | |
| **8.** | सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटो से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं .इसके लिए अनुशंसा हैं कि बीज को अनुशंसित पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामिथोक्साम 25% एफ.एस . (10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) **अथवा** पेनफ्लूफेन् +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस. (1 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज) **अथवा** कार्बोक्सिन 37.5%+थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा .बीज) **अथवा** कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. (3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज) से उपचारित कर थोड़ी देर छाया में सुखाएं .तत्पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. 10 मि.ली मि.ली/.कि.ग्रा .बीज (अथवा इमिडाक्लोप्रिड) 1.25 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज से भी उपचारित करें.<br>**Seed treatment with fungicide and insecticide**: In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides. The seed should be first treated with recommended fungicides like Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (10 ml/kg seed) OR Penflufen + Trifloxystrobin (1 ml/kg seed) OR Thiram + Carboxin (3 g/kg seed) or Thiram + Mancozeb (3 g/kg seed. It should be allowed to dry for some time and then treated with insecticide like - Thiamethoxam 30 FS (10 ml/kg seed) or Imidacloprid 48 FS (1.25 ml/kg seed). Seed treatment with chemicals can be done much before sowing. | <br> |
| **9.** | **जैविक कल्चर से टीकाकरण**: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे .कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा ( 10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं.<br>**Seed Inoculation**: During sowing, it is advised to inoculate the seed with *Bradyrhizobium japonicum* and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. *Trichoderma viride* (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. | |
| **10.** | कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित खरपतवारनाशकों में से अपने क्षेत्र में व्याप्त खरपतवारों के प्रकार देखकर आवश्यकतानुसार निम्न में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (परिशिष्ट) . Farmers have a choice of selecting any one among various recommended herbicides (Annexure) as per his convenience and the type of weed flora available in his field. | |

## परिशिष्ट Annexure 1: List of recommended herbicides in Soybean (सोयाबीन में अनुशंसित खरपतवार नाशकों की सूचि)

| क्रं. | खरपतवारनाशक का प्रकार | रासायनिक नाम | मात्रा/हेक्टे. |
|---|---|---|---|
| 1 | बौवनी पूर्व उपयोगी खरपतवार नाशक | पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर | 2.5-3 ली. |
| 2 | बौवनी के तुरन्त बाद उपयोगी खरपतवार नाशक | डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी. | 26-30 ग्राम |
| | | सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी. | 0.75 ली. |
| | | क्लोमोझोन 50 ई.सी. | 1.5 - 2.00 ली. |
| | | पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी. | 2.5-3.30 ली. |
| | | पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस. | 1.5-1.75 कि.ग्रा. |
| | | फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी. | 0.25 ली. |
| | | मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी. | 0.5-0.75 कि.ग्रा. |
| | | सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन | 1.25 ली. |
| | | पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी. | 150 ग्रा. |
| | | मेटालोक्लोर 50 ई.सी. | 2.0 ली. |
| 3 | अ. बोवनी के 10-12 दिन बाद उपयोगी खरपतवारनाशक | क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी+ .सर्फेक्टेन्ट | 36 ग्राम |
| | | बेन्टाझोन 48 एस.एल. | 2.0 ली. |
| | ब. बोवनी के 15-20 दिन बाद उपयोगी खरपतवारनाशक | इमेझेथापायर 10 एस.एल. | 1.00 ली. |
| | | इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट | 100 ग्रा. |
| | | क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी. | 0.75-1.00 ली. |
| | | क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी. | 375-450 मि.ली. |
| | | फेनाक्सीफाप-पी -इथाईल 9 ई.सी. | 1.11 ली. |
| | | क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी. | 0.75- 1.00 ली. |
| | | फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी. | 1-2 ली. |
| | | हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी. | 1-1.25 ली. |
| | | प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी. | 0.5-0.75 ली. |
| | | फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी. | 125 मि.ली. |
| | | क्लेथोडियम 25 ई.सी. | 0.5 -0.70 ली. |
| | स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक | फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन | 1.0 ली. |
| | | इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स | 100 ग्रा. |
| | | प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर | 2.0 ली. |
| | | सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील | 1 ली. |
| | | फोमेसाफेन +क्विजालोफाप इथाईल | 1.5 ली. |
| | | क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल +सर्फेक्टेन्ट | 375 मिली+36 ग्रा. |

| No | Type of weedicide | Chemical Name | Quantity (per ha) |
|---|---|---|---|
| 1 | Pre Plant Incorporation) PPI) | Pendimethalin + Imazethapyr | 2.5-3 l |
| 2 | Pre-emergence (PE) | Diclosulum 84 WDG | 26-30 g |
| | | Sulfentrazone 39.6 SC | 750 g |
| | | Chlomozone 50 EC | 1.5-2.00 l |
| | | Pendimethalin 30 EC | 2.5-3.3 l |
| | | Pendimethalin 38.7 CS | 1.5 – 1.75 kg |
| | | Flumioxazin 50 SC | 250 ml |
| | | Metribuzin 70WP | 0.5- **0.75** kg |
| | | Sulfentrazone + Clomazone | 1250 ml |
| | | Pyroxasulfone 85 WG | 150 g |
| | | Metolachlor 50 EC | 2.0 l |
| 3 | Post emergence (10-12 DAS) | Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant | 36 g |
| | | Bentazone 48 SL | 2.0 l |
| | Post emergence (15-20 DAS) | Imazethapyr10 SL | 1.00 l |
| | | Imazethapyr 70% WG + Surfactant | 100 g |
| | | Quizalofop-ethyl 5 EC | 0.75-1.00 l |
| | | Quizalofop-p-ethyl 10 EC | 375-450 ml |
| | | Fenoxaprop-p- ethyl 9.3 EC | 1.11 l |
| | | Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC | 0.75-1.00 l |
| | | Fluazifop-p-butyl 13.4% EC | 1 -2 l |
| | | Haloxyfop R Methyl 10.5 EC | 1-1.25 l |
| | | Propaquizafop 10 EC | 0.5-0.75 l |
| | | Fluthiacet methyl 10.3 EC | 125 ml |
| | | Clethodim 25 EC | 0.5-0.75 l |
| | POE Pre-mix formulations (15-20 DAS) | Fluazifop-p-butyl + Fomesafen | 1 l |
| | | Imazethapyr + Imazamox | 100 g |
| | | Propaquizafop + Imazethapyer | 2.0 l |
| | | Sodium Aceflourofen + ClodinafopPropargyl | 1.0 l |
| | | Fomesafen + Quizalofop ethyl | 1.5 l |
| | | Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack) | 375 ml+36g+0.2% |

## पारिशिष्ट Annexure 2 : विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुसंशित सोयाबीन किस्में (List of soybean varieties recommended for different zones/area)

**मध्य क्षेत्र (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र विदर्भ एवं मराठवाडा क्षेत्र )**

एन.आर.सी. 142, एन.आर.सी. 138, एन.आर.सी. 130, एन.आर.सी. -150, एन.आर.सी.-152, एन.आर.सी. 127, जे.एस. 21-72, जे.एस 20-94, जे.एस. 20-98, जे.एस. 20.116
आर.वी.एस.एम. 2011-35, आर.वी.एस. 76, आर.वी.एस. 24, आर.वी.एस. 18,
ए.एम.एस. 100-39, ए.एम.एस. 1001, ए.एम.एस.एम.बी. 5-18
मध्य प्रदेश राज्य द्वारा विमोचित किस्में: एन.आर.सी. 157, एन.आर.सी. 131, जे.एस. 20-69
महाराष्ट्र राज्य द्वारा विमोचित किस्में: एम.ए.यु.एस. 725, के.डी.एस. 992

**पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल ) एवं**
**उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रः असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम**

एम.ए.सी.एस. 1407, एम.ए.सी.एस. 1460, एन.आर.सी. 132, एन.आर.सी. 147, एन.आर.सी. 128, एन.आर.सी. 136, एन.आर.सी.एस.एल.-1, आर.एस.सी. 11-07, आर.एस.सी. 10-46, ए.एम्.एस. 2014-1 (पुर्वा)
शालीमार सोयाबीन-1 (जम्मू एवं कश्मीर); उमियाम सोयाबीन (मेघालय), बिरसा सोयाबीन-3, आर.एस.सी. 11-15 (छत्तीसगढ़)

**उत्तरी मैदानी क्षेत्रः पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी-उत्तराखण्ड व पूर्वी बिहार**

एस.एल. 1074, एस.एल. 1028, एन.आर.सी. 128, एस.एल. 979, पन्त सोयाबीन-26, पी.एस 1572

**उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र**

वी.एल. सोया 99, पन्त सोयाबीन 25 (पी.एस. 15५६) वी. एल. सोया 89,
उत्तराखंड राज्य द्वारा विमोचित: वी.एल.भट्ट 201, वी.एल.सोया. 77
हिमाचल प्रदेश राज्य द्वारा विमोचित: हिम पालम सोया-1

**दक्षिणी क्षेत्रः कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग**

एम.ए.सी.एस. एन.आर.सी. 1667, करुणे, एन.आर.सी. 142, एम्.ए.सी.एस. 1460, एन.आर.सी. 132, एन.आर.सी. 147, के.डी.एस. 753 (फुले किमया), के.डी.एस. 726 (फुले संगम)
महाराष्ट्र राज्य द्वारा विमोचित किस्में: ए.एम्.एस. 1001 (पी.के.वी. येलो गोल्ड), के.डी.एस. 992 (दूर्वा)
तेलंगाना राज्य द्वारा विमोचित किस्में: ए.एल.एस.बी. 50

Please follow our social Media